



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संघरण जोन, पटना।

1738

पत्रांक 354 / पटना, दिनांक 13/7/20

संज्ञक/संज्ञा/सहायक परिचालक/41/2015 Part-II

प्रेषक,

अभि0 अरुण कुमार चौधरी
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता

सेवा में,

महाप्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशासन)
बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड, पटना।

Dm/0
D
2/17

विषय- फर्जी आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र के आधार पर नियोजित सहायक परिचालक ग्रेड-II का नियोजन समाप्त करने के संबंध में।

प्रसंग- आपका पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में कहना है कि फर्जी आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र के आधार पर नियोजित सभी 19 सहायक परिचालक ग्रेड-II का नियोजन समाप्ति का आदेश निर्गत किया गया है। नियोजन समाप्ति का निर्गत आदेश की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध करना है कि उक्त आदेशों को कंपनी के वेबसाइट पर संबंधितों को सूचनार्थ अपलोड कराने की कृपा की जाय।

साथ ही अनुरोध करना है कि CWJC No-1421/2019 (राजकमल एवं अन्य वनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लिमिटेड, पटना एवं अन्य) में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 के आलोक में अनुपालन कार्यवाई/अधतन स्थिति से कंपनी के अधिवक्ता को अवगत कराने की कृपा की जाए ताकि एदत सूचना माननीय न्यायालय के आवश्यकतानुसार प्रस्तुत किया जा सके।

विश्वासमाजन

अनुलग्नक-तथैव।

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता

1790/DM(HR/Adm.)
25/08/2020

U.S.V
28/8

888/DCM(P)
27/08/2020

U.S.V
28/8

5.0-V
31/8/2020

श्री.आ.सी.प.
श्री.पु. (उपस्थिति में)
31/08/2020

2392
03/09/2020



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या— 25 / पटना, दिनांक— 16/6/20 /
संयोग/सहायक/सहायक परिचालक/41/2015 नॉट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री अभय कुमार, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो०-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को दिनांक-05.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अन्तर्गत पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री कुमार की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री कुमार का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-164 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री कुमार का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2016 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री अभय कुमार के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2016 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनःजांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2016 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-41 पर अंकित श्री कुमार के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-164 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

21/11/16

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री कुमार के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-42 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री कुमार का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-05.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री कुमार एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1054 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार को दिनांक-26.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पंच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री कुमार ने अपने आवेदन दिनांक-26.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री कुमार के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1187 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1304 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री कुमार, निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जवाब समर्पित किया गया। श्री कुमार द्वारा समर्पित जवाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खास्तगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री कुमार से प्राप्त जवाब एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियाँ वही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334 दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया है। अतएव श्री कुमार द्वारा फर्जी/जाली आईटीआई प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आईटीआई) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जौन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री अभय कुमार के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-05.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री अभय कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, कटरा, पुत्र- श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो०-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री अभय कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II संघरण अवर प्रमंडल, कटरा, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो०-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, पटना/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी)/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, कटरा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री अभय कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II संघरण अवर प्रमंडल, कटरा, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो०-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) के विरुद्ध यथोचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

292 16/6/20



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या— 34 / पटना, दिनांक— 16/11/20 /

संज्ञा/संज्ञा/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री गोरख राय, पुत्र- श्री धर्मनाथ सिंह, ग्राम-मंथीतवा, पो०-मस्तीचक, थाना-दरियापुर, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को दिनांक-07.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री राय की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री राय का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-158 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री राय का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री गोरख राय के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनः जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-43 पर अंकित श्री राय के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-158 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

अथ

अथ

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री राय के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-43 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री राय का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-07.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री राय एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री राय सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1052 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री राय को दिनांक-26.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निर्बंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पौंच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री राय ने अपने आवेदन दिनांक-26.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री राय के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1185 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री राय समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1305 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री राय निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जबाब समर्पित किया गया। श्री राय द्वारा समर्पित जबाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खास्तगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री राय से प्राप्त जबाब एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री राय द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियाँ वही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334 दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत नही' प्रतिवेदित किया गया है। साथ ही श्री राय के आई0टी0आई0 अंक पत्र का संख्या (034495) एवं अन्य 03 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों के आई0टी0आई0 अंक पत्र का संख्या (034495) एक है। अतएव श्री राय द्वारा फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई0टी0आई0) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री गोरख राय के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-07.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री गोरख राय, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव, पुत्र- श्री धर्मनाथ सिंह, ग्राम-मंचीतवां, पो0-मस्तीचक, थाना-दरियापुर, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- श्री गोरख राय, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव, पुत्र- श्री धर्मनाथ सिंह, ग्राम-मंचीतवां, पो0-मस्तीचक, थाना-दरियापुर, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, डेहरी-ऑन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, डेहरी-ऑन-सोन /सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री गोरख राय, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव, पुत्र- श्री धर्मनाथ सिंह, ग्राम-मंचीतवां, पो0-मस्तीचक, थाना-दरियापुर, जिला-छपरा, सारण (बिहार) के विरुद्ध यथोचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अघोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कम्पनी लि0, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि0 को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

291

16/6/20

Handwritten signature of Arun Kumar Choudhary



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—47 / पटना, दिनांक—16/6/20 /
संजीव/सा0सा0/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं0-01/09 के अन्तर्गत का0आ0संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री विकास कुमार, पुत्र-श्री विजय कुमार सिंह, ग्राम-मलुआ शंकरडीह, पो0-मलुआ निखारी, धाना-शंकरडीह, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के आधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री कुमार की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितकरण किया गया।

श्री कुमार का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-157 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री कुमार का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं0-59 दि0-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि0-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री विकास कुमार के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि0 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई0टी0आई0 दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-31 पर अंकित श्री कुमार के आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-157 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

6 Lok

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री कुमार के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षापरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-35 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री कुमार का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री कुमार एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1064 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार को दिनांक-28.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री कुमार ने अपने आवेदन दिनांक-28.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री कुमार के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1174 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षापरान्त पत्रांक-1314 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निरिक्त रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री कुमार द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षापरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री विकाश कुमार के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री विकाश कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, सिपारा, गौरीचक, पुत्र-श्री विजय कुमार सिंह, ग्राम-भलुआ शंकरडीह, पो०-भलुआ मिखारी, थाना-शंकरडीह, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री विकाश कुमार, तदेन सहायक परिचालक, संचरण अवर प्रमंडल, सिपारा, गौरीचक, पुत्र- श्री विजय कुमार सिंह, ग्राम-भलुआ शंकरडीह, पो०-भलुआ मिखारी, थाना-शंकरडीह, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, पटना (पूर्वी)/संचरण अंचल, बिहारशरीफ/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी)/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, ~~सिपारा~~ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी) से अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री विकाश कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, सिपारा, गौरीचक, पुत्र-श्री विजय कुमार सिंह, ग्राम-भलुआ शंकरडीह, पो०-भलुआ मिखारी, थाना-शंकरडीह, जिला-छपरा, सारण (बिहार) के विरुद्ध यथाचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत कराये।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....304.....पटना, दिनांक.....16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

huc



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—49 /पटना, दिनांक—16/6/20 /
संज्ञक/सहायक परिचालक/41/2015 पट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सुशील कुमार यादव, पुत्र- श्री सुरेन्द्र यादव, ग्राम-डुमरी, पो०-डुमरी अड्डा, थाना-डोरीगंज, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-07.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के आधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री यादव की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितकरण किया गया।

श्री यादव का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-159 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री यादव का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री सुशील कुमार यादव के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनः जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-40 पर अंकित श्री यादव के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-159 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कठिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

note

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री यादव के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अर्धीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-27 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री यादव का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-07.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री यादव एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री यादव सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1059 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री यादव को दिनांक-30.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री यादव ने अपने आवेदन दिनांक-30.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री यादव के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1188 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री यादव समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1319 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री यादव निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जवाब समर्पित किया गया। श्री यादव द्वारा समर्पित जवाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खारतगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री यादव से प्राप्त जवाब एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री यादव द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियाँ यही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2089 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334 दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत नही प्रतिवेदित किया गया है। साथ ही श्री यादव के आईटीआई अंक पत्र का संख्या (034495) एवं अन्य 03 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों के आईटीआई अंक पत्र का संख्या (034495) एक है। अतएव श्री यादव द्वारा फर्जी/जाली आईटीआई प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आईटीआई) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन्, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री सुशील कुमार यादव के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-07.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री सुशील कुमार यादव, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव, पुत्र- श्री सुरेन्द्र यादव, ग्राम-डुमरी, पो0-डुमरी अड्डा, थाना-डोरीगंज, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री सुशील कुमार यादव, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव, पुत्र- श्री सुरेन्द्र यादव, ग्राम-डुमरी, पो0-डुमरी अड्डा, थाना-डोरीगंज, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, डेहरी-ऑन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, डेहरी-ऑन-सोन /सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री सुशील कुमार यादव, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव, पुत्र- श्री सुरेन्द्र यादव, ग्राम-डुमरी, पो0-डुमरी अड्डा, थाना-डोरीगंज, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध यथोचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि0 को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

2020



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संघरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—45 /पटना, दिनांक—16/6/20 /
संघरण/संघरण/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संघरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सोनु कुमार सिंह, पुत्र श्री भागीरथ सिंह, ग्राम-बदुराही, पो०-सोनपुर, थाना-सोनपुर, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सिंह की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितकरण किया गया।

श्री सिंह का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-163 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री सिंह का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा पेटनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री सोनु कुमार सिंह के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-39 पर अंकित श्री सिंह के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-163 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कठिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितिकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री सिंह के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-44 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री सिंह का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितिकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री सिंह एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC NO-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1063 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह को दिनांक-26.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री सिंह ने अपने आवेदन दिनांक-26.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1186 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1306 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री सिंह द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री सिंह अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भाँति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री सोनु कुमार सिंह के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितिकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री सोनु कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, झंझारपुर पुत्र श्री भागीरथ सिंह, ग्राम-बदुराही, पो०-सोनपुर, धाना-सोनपुर, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री सोनु कुमार सिंह, पुत्र श्री भागीरथ सिंह, ग्राम-बदुराही, पो०-सोनपुर, धाना-सोनपुर, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि-महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता, संचरण जोन, मुजफ्फरपुर/विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, दरभंगा/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, दरभंगा/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, झंझारपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री सोनु कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, झंझारपुर पुत्र श्री भागीरथ सिंह, ग्राम-बदुराही, पो०-सोनपुर, धाना-सोनपुर, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित धाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करावें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....302.....पटना, दिनांक.....16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या 37 / पटना, दिनांक 16/6/20 /

शेड/संख्या/सहायक परिचालक/41/2018 पर्ट-3

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री शशिभूषण कुमार, पुत्र श्री बच्चा सिंह, ग्राम+पो०-ककरहट, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री कुमार की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री कुमार का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-156 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री कुमार का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनो पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री शशिभूषण कुमार के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-38 पर अंकित श्री कुमार के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-156 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

मह

P.T.O

15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री कुमार के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-26 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री कुमार का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कौटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री कुमार एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC NO-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1062 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार को दिनांक-30.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पीव सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री कुमार ने अपने आवेदन दिनांक-30.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री कुमार के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1184 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1318 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री कुमार द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री शशिभूषण कुमार के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री शशिभूषण कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, कटरा, पुत्र श्री बच्चा सिंह, ग्राम+पो०-ककरहट, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित ढाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री शशिभूषण कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, कटरा, पुत्र श्री बच्चा सिंह, ग्राम+पो०-ककरहट, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, पटना/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी)/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, कटरा, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री शशिभूषण कुमार, तदेन सहायक परिचालक, संघरण अवर प्रमंडल, कटरा पुत्र श्री बच्चा सिंह, ग्राम+पो०-ककरहट, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित स्थान में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करावें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

१०/६/२०



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अनियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या— 39 / पटना, दिनांक— 16/6/20 /

संज्ञाप/सहायक/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, पुत्र श्री विरबहादुर सिंह, ग्राम-अलेखटोला, पो०-गरीबटोला, थाना-रिविलगंज, जिला-सारण, (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (हॉल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सिंह की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री सिंह का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-161 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक- 21.03.2016 द्वारा श्री सिंह का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-37 पर अंकित श्री सिंह के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-161 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कठिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

due

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री सिंह के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-28 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री सिंह का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री सिंह एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह सहित सभी 19 सेवानुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1060 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह को दिनांक-30.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पौंच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री सिंह ने अपने आवेदन दिनांक-30.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1173 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1320 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री सिंह द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री सिंह अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुरासा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, भभुआ पुत्र श्री विरबहादुर सिंह, ग्राम-अलेखटोला, पो०-गरीबटोला, थाना-रिविलगंज, जिला-सारण, (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, भभुआ पुत्र श्री विरबहादुर सिंह, ग्राम-अलेखटोला, पो०-गरीबटोला, थाना-रिविलगंज, जिला-सारण, (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, डेहरी-आन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, डेहरी-आन-सोन/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, भभुआ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, भभुआ पुत्र श्री विरबहादुर सिंह, ग्राम-अलेखटोला, पो०-गरीबटोला, थाना-रिविलगंज, जिला-सारण, (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करावें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....296.....पटना, दिनांक.....16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

2020



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या 48 / पटना, दिनांक 16/3/20 /

संज्ञेन/संज्ञा/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री संतोष कुमार सिंह, पुत्र-श्री राजेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना,पो०+धाना-गड़खा, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सिंह की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री सिंह का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-169 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री सिंह का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनो पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री संतोष कुमार सिंह के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधानास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनःजाँच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-36 पर अंकित श्री सिंह के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-169 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-08 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

हस्ताक्षर

Ally

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री सिंह के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-41 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री सिंह का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री सिंह एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1053 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह को दिनांक-26.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निर्बंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री सिंह ने अपने आवेदन दिनांक-26.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1181 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1303 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री सिंह निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जबाब समर्पित किया गया। श्री सिंह द्वारा समर्पित जबाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खास्तगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री सिंह से प्राप्त जबाब एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री सिंह द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियाँ वही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 133 दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत नही प्रतिवेदित किया गया है। साथ ही श्री सिंह के आई0टी0आई0 अंक पत्र का संख्या (034495) एवं अन्य 03 सेवानुवत तकनीकी कर्मियों के आई0टी0आई0 अंक पत्र का संख्या (034495) एक है। अतएव श्री सिंह द्वारा फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई0टी0आई0) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जौन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री संतोष कुमार सिंह के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितिकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री संतोष कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, बिहटा, पुत्र-श्री राजेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना,पो0+थाना-गड़खा, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- श्री संतोष कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, बिहटा, पुत्र-श्री राजेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना,पो0+थाना-गड़खा, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, पटना (परिचमी)/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना (परिचमी)/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, बिहटा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री संतोष कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, बिहटा, पुत्र-श्री राजेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना,पो0+थाना-गड़खा, जिला-छपरा, सारण (बिहार) के विरुद्ध यथाहित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अचोहस्ताक्षरी को अवगत कराये।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक 305पटना, दिनांक 16/06/20.....

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि0 को सूचनार्थ प्रेषित।

(Handwritten signature)
16/06/20

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—36 /पटना, दिनांक—16/6/20 /

संज्ञक/सहायक/सहायक परिचालक/41/2015 पट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री राजकमल, पुत्र श्री जगदेव हजारा, ग्राम-बन्देय,पो०-धरमपुर बन्देय, भाया-पटोरी जिला-समस्तीपुर, बिहार को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अन्तर्गत सहायक परिचालक के पद पर नियोजन किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री राजकमल की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री राजकमल का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि आई०टी०आई० अंक पत्र में 'माक्स बढ़ाकर दिया गया है अर्थात् माक्स में भिन्नता' है। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-205 दिनांक-27.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री राजकमल का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान है। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त श्री राजकमल के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० अंक पत्र में 'माक्स में भिन्नता है अर्थात् माक्स बढ़ाकर लिखा गया है। इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनः जाँच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-17 पर अंकित श्री राजकमल के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'माक्स बढ़ाकर दिया गया है, माक्स में भिन्नता' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-205 दिनांक-27.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन में कंडिका-06 में निम्न शर्त विनिर्दिष्ट था- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

date

Ally

P.T.O

एवं, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण का आदेश की कण्डिका-(VIII) में निम्न शर्त विनिर्दिष्ट है- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री राजकमल के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 अंक-पत्र में हेर-फेर (manipulation) पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-36 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री राजकमल का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री राजकमल एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-67 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री राजकमल सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1050 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री राजकमल को दिनांक-26.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निर्दिष्ट डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री राजकमल, निर्धारित तिथि दिनांक-26.08.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर लिखित पक्ष समर्पित किया गया। श्री राजकमल द्वारा अपने जबाब में उल्लेख किया गया कि परीक्षा नियंत्रक के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा उनके आई0टी0आई0 अंक-पत्र में मार्क्स में भिन्नता का सत्यापन गलत है। साथ ही उल्लेख किया गया कि आई0टी0आई0 संस्थान द्वारा उन्हें पूर्व में जो अंक-पत्र/प्रमाण-पत्र निर्गत किया गया उसकी जानकारी उन्हें नहीं थी लेकिन सत्यापन के उपरान्त संस्थान द्वारा उन्हें जो आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र दिया गया है, वह सही है। श्री राजकमल द्वारा अपने लिखित पक्ष के साथ आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र की प्रतियाँ भी समर्पित की गई। श्री राजकमल के उक्त जबाब के आलोक में समिति द्वारा समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री राजकमल द्वारा अनुबंध नियोजन एवं क्रम में सेवा का नियमितकरण के समय समर्पित किये गये आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र की प्रतियाँ तथा वर्तमान में लिखित पक्ष के साथ समर्पित किये गये आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र की प्रतियाँ का मिलान करने पर पाया गया कि प्रमाण पत्र तथा अंक पत्र का क्रम संख्या एक है परन्तु अंक-पत्र में विभिन्न विषयों में प्राप्तांक एवं कुल प्राप्तांक में भिन्नता है। अनुबंध नियोजन एवं सेवा नियमितकरण हेतु समर्पित आई0टी0आई0 अंक पत्र में विभिन्न विषयों में प्राप्त अंको के आधार पर कुल प्राप्तांक-630 अंकित है, जबकि लिखित जबाब के साथ समर्पित अंक पत्र में विभिन्न विषयों में मिले अंको के आधार पर कुल प्राप्तांक-559 अंकित है। इससे स्पष्ट होता है कि नियोजन हेतु श्री राजकमल द्वारा समर्पित अंक-पत्र में कुल मार्क्स में 71 (एकहतर) मार्क्स बढ़ाकर अंकित है अर्थात् मार्क्स की भिन्नता है। उक्त आधार पर समिति द्वारा प्रतिवेदित है कि श्री राजकमल के द्वारा आई0टी0आई0 अंक-पत्र में फर्जीवाड़ा/हेरफेर (manipulate) कर विषयवार एवं कुल प्राप्तांक को बढ़ाया गया ताकि प्राप्तांक के आधार पर उनका नाम मेधा-सूची में आ सके एवं नियोजन सुनिश्चित हो सके। चूंकि परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन

विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334 दिनांक-10.12.2018 द्वारा श्री राजकमल के आई0टी0आई0 अंक-पत्र के संबंध में "मावर्स बढ़ाकर दिया गया है, मावर्स में भिन्नता" प्रतिवेदित है, तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन से अवगत होकर महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा आरोपी के संबंध में उपलब्ध साक्ष्यों/तथ्यों की सम्यक विचारोपरान्त फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई0टी0आई0) का प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करने हेतु निर्देशित किया गया है।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री राजकमल के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमित नियोजन को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री राजकमल, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, गायघाट, पुत्र श्री जगदेव हजरा, ग्राम-बान्देय,पो0-धरमपुर बान्देय,भाया-पटोरी, जिला-समस्तीपुर, बिहार को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री राजकमल, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, गायघाट, पुत्र श्री जगदेव हजरा, ग्राम-बान्देय,पो0-धरमपुर बान्देय,भाया-पटोरी, जिला-समस्तीपुर, बिहार को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, पटना (पूर्वी)/संचरण अंचल, बिहारशरीफ/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी)/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, गायघाट, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


2. महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी) से अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री राजकमल, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, गायघाट, पुत्र श्री जगदेव हजरा, ग्राम-बान्देय, पो0-धरमपुर बान्देय, भाया-पटोरी, जिला-समस्तीपुर, बिहार के विरुद्ध यथोचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्तावरी को अवगत करायें।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक 293.....पटना, दिनांक 16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि0 को सूचनार्थ प्रेषित।


(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता
B.H.C.



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—46 / पटना, दिनांक—16/6/20 /
संज्ञक/संसाधन/सहायक परिचालक/41/2015 पट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री प्रशान्त कुमार, पुत्र-श्री सुरेश प्रसाद, ग्राम-महेन्द्रपुर, पो०+धाना-हाथीदह, जिला-पटना को दिनांक-06.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अन्तर्गत पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री कुमार की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री कुमार का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-215 दिनांक 02.03.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री कुमार का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री प्रशान्त कुमार के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाती है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-22 पर अंकित श्री कुमार के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-215 दिनांक-02.03.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

Handwritten signature

Handwritten signature

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितिकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री कुमार के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-29 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री कुमार का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-06.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितिकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री कुमार एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1061 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार को दिनांक-29.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अनियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पंच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री कुमार ने अपने आवेदन दिनांक-29.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री कुमार के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1175 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1315 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री कुमार द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री प्रशान्त कुमार के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-06.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री प्रशान्त कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, हाथीदह, पुत्र-श्री सुरेश प्रसाद, ग्राम-महेन्द्रपुर, पो०+थाना-हाथीदह, जिला-पटना को निबंधित ढाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री प्रशान्त कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, हाथीदह, पुत्र-श्री सुरेश प्रसाद, ग्राम-महेन्द्रपुर, पो०+थाना-हाथीदह, जिला-पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, पटना (पूर्वी)/संचरण अंचल, बिहारशरीफ/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, हाथीदह, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, पटना (पूर्वी) से अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री प्रशान्त कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, हाथीदह, पुत्र-श्री सुरेश प्रसाद, ग्राम-महेन्द्रपुर, पो०+थाना-हाथीदह, जिला-पटना के विरुद्ध यथोचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करन) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—40 / पटना, दिनांक—16/6/20 /
संशोधन/सहायक/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री मृत्युंजय कुमार मिश्रा, पुत्र श्री सुनील मिश्रा, ग्राम-गाला, पो०-गुरुकुल मेहियाँ, थाना-मुफसिल, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के आधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री मिश्रा की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री मिश्रा का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-172 दिनांक 16.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री मिश्रा का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनो पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री मृत्युंजय कुमार मिश्रा के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-35 पर अंकित श्री मिश्रा के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-172 दिनांक-16.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

Arake

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि:- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री मिश्रा के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-30 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री मिश्रा का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री मिश्रा एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कनल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्त का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री मिश्रा सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1056 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री मिश्रा को दिनांक-29.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पंच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री मिश्रा ने अपने आवेदन दिनांक-29.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1179 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री मिश्रा समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1316 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री मिश्रा समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री मिश्रा द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री मिश्रा अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

1/1/20

1446

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री मृत्युंजय कुमार मिश्रा के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री मृत्युंजय कुमार मिश्रा, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, सोननगर (न्यू) पुत्र श्री सुनील मिश्रा, ग्राम-माला, पो०-गुरुकुल मेहियाँ, थाना-मुफसिल, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- श्री मृत्युंजय कुमार मिश्रा, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, सोननगर (न्यू) पुत्र श्री सुनील मिश्रा, ग्राम-माला, पो०-गुरुकुल मेहियाँ, थाना-मुफसिल, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, डेहरी-आन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, डेहरी-आन-सोन/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, सोननगर (न्यू) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री मृत्युंजय कुमार मिश्रा, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, सोननगर (न्यू) पुत्र श्री सुनील मिश्रा, ग्राम-माला, पो०-गुरुकुल मेहियाँ, थाना-मुफसिल, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्तावरी को अवगत करावें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापक.....297.....पटना, दिनांक 16/6/20.....

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

AMC



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—28 / पटना, दिनांक—16/6/20 /
संज्ञक/संख्या/सहायक परिचालक/41/2018 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री मनोज कुमार, पुत्र श्री चन्द्रशेखर प्रसाद, ग्राम-पिरगंज, पो०-सितलपुर, थाना-दिघवारा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होल्टिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री कुमार की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री कुमार का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-172 दिनांक 16.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री कुमार का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री मनोज कुमार के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अगिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-34 पर अंकित श्री कुमार के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-172 दिनांक-16.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

शुभ

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री कुमार के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-31 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री कुमार का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री कुमार एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार सहित सभी 19 सेवानुवृत्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1057 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार को दिनांक-29.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री कुमार ने अपने आवेदन दिनांक-29.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री कुमार के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1177 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1317 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री कुमार द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जवाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जौन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री मनोज कुमार के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री मनोज कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज पुत्र श्री चन्द्रशेखर प्रसाद, ग्राम-पिरगंज, पो०-सितलपुर, थाना-दिघवारा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री मनोज कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज पुत्र श्री चन्द्रशेखर प्रसाद, ग्राम-पिरगंज, पो०-सितलपुर, थाना-दिघवारा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, डेहरी-आन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, डेहरी-आन-सोन/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री मनोज कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज पुत्र श्री चन्द्रशेखर प्रसाद, ग्राम-पिरगंज, पो०-सितलपुर, थाना-दिघवारा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अप्रोहरताक्षरी को अवगत कराये।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक 295.....पटना, दिनांक 16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

huc



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—43 /पटना, दिनांक—16/6/20 /

संज्ञक/साहायक/सहायक परिचालक/41/2015 पट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री मनमोहन सिंह यादव, पुत्र श्री रामायण सिंह, ग्राम-दुलहपुर, पो०-दुलहपुर, थाना-सिमरी, जिला-बक्सर (बिहार) को दिनांक-18.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री यादव की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री यादव का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री यादव का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनो पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री मनमोहन सिंह यादव के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधानास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-51 पर अंकित श्री यादव के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री यादव के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-38 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री यादव का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन का दिनांक-18.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री यादव एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री यादव सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1058 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री यादव को दिनांक-27.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री यादव ने अपने आवेदन दिनांक-27.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री यादव के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1182 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री यादव समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1308 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री यादव समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री यादव द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री यादव अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-909 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संवरण जौन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री मनमोहन सिंह यादव के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-18.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री मनमोहन सिंह यादव, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संवरण अवर प्रमंडल, औरंगाबाद पुत्र श्री रामायण सिंह, ग्राम-दुलहपुर, पो०-दुलहपुर, थाना-सिमरी, जिला-बक्सर (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक:.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- श्री मनमोहन सिंह यादव, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संवरण अवर प्रमंडल, औरंगाबाद पुत्र श्री रामायण सिंह, ग्राम-दुलहपुर, पो०-दुलहपुर, थाना-सिमरी, जिला-बक्सर (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संवरण अंचल, डेहरी-आन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संवरण प्रमंडल, औरंगाबाद /सहायक कार्यपालक अभियंता, संवरण अवर प्रमंडल, औरंगाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री मनमोहन सिंह यादव, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संवरण अवर प्रमंडल, औरंगाबाद पुत्र श्री रामायण सिंह, ग्राम-दुलहपुर, पो०-दुलहपुर, थाना-सिमरी, जिला-बक्सर (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करावें।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक 300.....पटना, दिनांक 16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—32 /पटना, दिनांक—16/6/20 /
संकेत/साहायक/सहायक परिचालक/41/2015 पर्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री गणेश प्रसाद, पुत्र श्री रविन्द्र राय, ग्राम-दिरस, पो०-सराय, थाना-सराय हाजिपुर, जिला-दैशाली (बिहार) को दिनांक-18.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के आधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री प्रसाद की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री प्रसाद का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-171 दिनांक 16.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री प्रसाद का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-18.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनो पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री गणेश प्रसाद के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-56 पर अंकित श्री प्रसाद के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-171 दिनांक-16.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

Red

Red

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होलिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.02.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री प्रसाद के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-40 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री प्रसाद का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-18.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री प्रसाद एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होलिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संचरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री प्रसाद सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संचरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1048 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री प्रसाद को दिनांक-27.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवैसीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संचरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संचरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संचरण जोन द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री प्रसाद ने अपने आवेदन दिनांक-27.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री प्रसाद के आवेदन के आलोक में संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1176 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री प्रसाद समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1310 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संचरण जोन द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री प्रसाद, निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जवाब समर्पित किया गया। श्री प्रसाद द्वारा समर्पित जवाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खास्तगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री प्रसाद से प्राप्त जवाब एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री प्रसाद द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियाँ वही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334 दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं प्रतिवेदित किया गया है। अतएव श्री प्रसाद द्वारा फर्जी/जाली आईटीआई प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आईटीआई) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री गणेश प्रसाद के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-18.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री गणेश प्रसाद, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव, पुत्र- श्री रविन्द्र राय, ग्राम-विरस, पो०-सराय, थाना-सराय हाजिपुर, जिला-वैशाली (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- श्री गणेश प्रसाद, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव, पुत्र- श्री रविन्द्र राय, ग्राम-विरस, पो०-सराय, थाना-सराय हाजिपुर, जिला-वैशाली (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, डेहरी-ऑन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, डेहरी-ऑन-सोन/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में श्री गणेश प्रसाद, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौंव, पुत्र- श्री रविन्द्र राय, ग्राम-विरस, पो०-सराय, थाना-सराय हाजिपुर, जिला-वैशाली (बिहार) के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए इसकी सूचना अद्योहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....289.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—44/पटना, दिनांक—16/6/20 /
संज्ञेय/सहायक/सहायक परिचालक/41/2015 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री धीरज कुमार सिंह, पुत्र श्री नागेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना, पो०-गोपुर, थाना-गड़खा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सिंह की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री सिंह का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-167 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री सिंह का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनो पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री धीरज कुमार सिंह के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनो में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-33 पर अंकित श्री सिंह के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति 'निर्गत नहीं' प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-167 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कठिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

धर

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री सिंह के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जौन, पटना के का0आ0सं0-37 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री सिंह का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री सिंह एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC NO-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जौन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जौन, पटना के नोटिस पत्रांक-1068 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह को दिनांक-27.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र, फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जौन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जौन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जौन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री सिंह ने अपने आवेदन दिनांक-27.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संघरण जौन, पटना के पत्रांक-1183 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1307 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जौन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री सिंह द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री सिंह अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुरांसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मागले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जौन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री धीरज कुमार सिंह के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री धीरज कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, जगदीशपुर पुत्र श्री नागेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना, पो०-गोपुर, थाना-गड़खा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- श्री धीरज कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, जगदीशपुर पुत्र श्री नागेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना, पो०-गोपुर, थाना-गड़खा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, डेहरी-आन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, डेहरी-आन-सोन/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, जगदीशपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री धीरज कुमार सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संघरण अवर प्रमंडल, जगदीशपुर पुत्र श्री नागेन्द्र सिंह, ग्राम-जिगना, पो०-गोपुर, थाना-गड़खा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत कराये।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या— 31 / पटना, दिनांक— 16/6/20 /
संजो/एसीआर/सहायक परिचालक/41/2016 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री चन्द्रशेखर सिंह, पुत्र- श्री विजय सिंह, ग्राम-अलेखटोला सिताबदियारा, पो०-जयप्रकाश नगर, जिला-बलिया (उत्तर प्रदेश) को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के आधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सिंह की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितकरण किया गया।

श्री सिंह का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-166 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री सिंह का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-897 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री चन्द्रशेखर सिंह के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधान्नास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनः जाँच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-32 पर अंकित श्री सिंह के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-166 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कड़िका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितिकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि:- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री सिंह के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-33 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री सिंह का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितिकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री सिंह एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्टिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1055 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह को दिनांक-28.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आयासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री सिंह ने अपने आवेदन दिनांक-28.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1178 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1312 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री सिंह निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जवाब समर्पित किया गया। श्री सिंह द्वारा समर्पित जवाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खास्तगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री सिंह से प्राप्त जवाब एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री सिंह द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियाँ यही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितिकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334, दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत नही प्रतिवेदित किया गया है। साथ ही श्री सिंह के आई0टी0आई0 अंक पत्र का संख्या (034495) एवं अन्य 03 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों के आई0टी0आई0 अंक पत्र का संख्या (034495) एक है। अतएव श्री सिंह द्वारा फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई0टी0आई0) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री चन्द्रशेखर सिंह के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-10.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर नियमितकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री चन्द्रशेखर सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव, पुत्र- श्री विजय सिंह, ग्राम-अलेखटोला सिताबदियारा, पो0-जयप्रकाश नगर, जिला-बलिया (उत्तर प्रदेश) को निर्बंधित ढाक से भेज दी जाए।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री चन्द्रशेखर सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव, पुत्र- श्री विजय सिंह, ग्राम-अलेखटोला सिताबदियारा, पो0-जयप्रकाश नगर, जिला-बलिया (उत्तर प्रदेश) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, डेहरी-ऑन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, डेहरी-ऑन-सोन /सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री चन्द्रशेखर सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, डुमरौव, पुत्र- श्री विजय सिंह, ग्राम-अलेखटोला सिताबदियारा, पो0-जयप्रकाश नगर, जिला-बलिया (उत्तर प्रदेश) के विरुद्ध यथाचित कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित धाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक 288.....पटना, दिनांक 16/5/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होलिडिंग) कम्पनी लि0, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि0 को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—33 /पटना, दिनांक—16/6/20 /

संज्ञक/संज्ञक/सहायक परिचालक/41/2018 पद-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री अनिल कुमार, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो०-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को दिनांक-06.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अन्तर्गत पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्त में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री कुमार की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री कुमार का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-160 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री कुमार का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके अन्तर्गत पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक- 28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री अनिल कुमार के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनः जाँच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-45 पर अंकित श्री कुमार के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-160 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कड़िका-08 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

K. S.

[Signature]

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितिकरण आदेश की कम्प्लिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री कुमार के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-39 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री कुमार का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-06.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितिकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री कुमार एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1049 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री कुमार को दिनांक-27.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निर्बंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री कुमार ने अपने आवेदन दिनांक-27.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री कुमार के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1180 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री कुमार समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1309 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन द्वारा निर्गत उक्त पत्र के आलोक में श्री कुमार, निर्धारित तिथि दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपना आई0टी0आई0 मूल प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र की प्रति संलग्न करते हुए जवाब समर्पित किया गया। श्री कुमार द्वारा समर्पित जवाब में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र को सही होने एवं मा0 न्यायालय के आदेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा बर्खास्तगी आदेश को निरस्त किये जाने का उल्लेख किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा श्री कुमार से प्राप्त जवाब एवं उपलब्ध अभिलेखों को आधार पर मामले की सम्यक समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार द्वारा समर्पित आई0टी0आई0 मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र की प्रतियों वही हैं जिसे वे पूर्व में अनुबंध नियोजन तथा सेवा नियमितिकरण के समय में समर्पित किये थे। चूंकि उक्त प्रमाण-पत्रों को परीक्षा नियंत्रक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय, नियोजन भवन, पटना के 1334 दिनांक-10.12.2018 द्वारा जाली एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत नही प्रतिवेदित किया गया है। अतएव श्री कुमार द्वारा फर्जी/जाली आईटीआई प्रमाण-पत्र के आधार पर नियोजन प्राप्त करने का मामला पूर्णतः स्थापित होता है। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कम्प्लिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आईटीआई) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संघरण जॉन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-68 दिनांक-10.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री अनिल कुमार के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन का दिनांक-06.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री अनिल कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II संघरण अवर प्रमंडल, डिहटा, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो0-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को निर्बंधित डाक से भेज दी जाए।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री अनिल कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II संघरण अवर प्रमंडल, डिहटा, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो0-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) को सूचनाार्थ प्रेषित।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- /विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संघरण अंचल, पटना (पश्चिमी)/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संघरण प्रमंडल, पटना (पश्चिमी)/सहायक कार्यपालक अभियंता, संघरण अवर प्रमंडल, डिहटा को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


2. महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री अनिल कुमार, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II संघरण अवर प्रमंडल, डिहटा, पुत्र श्री राधा साह, ग्राम-धरमपुरा, पो0-रसलपुरा, थाना-डोरीगंज, जिला-छपरा, सारण (बिहार) के विरुद्ध यथाधिक कानूनी कार्रवाई करने (यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने) एवं इसकी सूचना से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करावें।

ह0/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक 290.....पटना, दिनांक 16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा0सं0/प्रशा0)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि0 को सूचनाार्थ प्रेषित।


(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—42 /पटना, दिनांक—16/6/20 /
संजोप/साहायक/सहायक परिचालक/41/2018 पार्ट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री अरुण कुमार राय, पुत्र श्री छट्टू राय, ग्राम-महमदा मंगल टोला, पो०-महमदा, थाना-गरखा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अघार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होलिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री राय की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री राय का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन को सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हेड से निर्गत पत्रांक-168 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री राय का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री अरुण कुमार राय के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० दीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-29 पर अंकित श्री राय के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-168 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कड़िका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

Blank

[Signature]

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक 15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री राय के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-32 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री राय का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री राय एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC N0-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दाखर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री राय सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1051 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री राय को दिनांक-28.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जबाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निर्बंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जबाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पौध सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री राय ने अपने आवेदन दिनांक-28.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय मांगा गया। श्री राय के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1171 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जबाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री राय समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1311 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निरिद्धत रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री राय समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री राय द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री राय अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भांति अवगत रहते हुए लिखित जबाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मामले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री अरुण कुमार राय के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री अरुण कुमार राय, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, बाढ़ पुत्र श्री छदू राय, ग्राम-महमदा मंगल टोला, पो०-महमदा, थाना-गरखा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक/

प्रतिलिपि- श्री अरुण कुमार राय, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, बाढ़ पुत्र श्री छदू राय, ग्राम-महमदा मंगल टोला, पो०-महमदा, थाना-गरखा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक/

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संचरण अंचल, पटना (पूर्वी)/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संचरण प्रमंडल, बाढ़/सहायक कार्यपालक अभियंता, संचरण अवर प्रमंडल, बाढ़ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री अरुण कुमार राय, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संचरण अवर प्रमंडल, बाढ़ पुत्र श्री छदू राय, ग्राम-महमदा मंगल टोला, पो०-महमदा, थाना-गरखा, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराये।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....299.....पटना, दिनांक 16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)
महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता
B.L.K.



बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता
संचरण जोन, पटना।

कार्यालय आदेश संख्या—41 / पटना, दिनांक—16/6/20 /

संघ/साहायक/सहायक परीक्षक/41/2015 पट-2

संचरण जोन, पटना के नियोजन सूचना सं०-01/09 के अन्तर्गत का०आ०संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री बलवन्त सिंह, पुत्र श्री रामेश्वर सिंह, ग्राम-वसाढी, पो०-गरुकुल मेहियाँ, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से अनुबंध के अधार पर सहायक परिचालक के पद पर नियोजित किया गया। तदुक्रम में, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन श्री सिंह की सेवा दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर (नियमित वेतनमान में) नियमितिकरण किया गया।

श्री सिंह का सहायक परिचालक ग्रेड-II के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से नियमितिकरण के उपरान्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन उनके द्वारा समर्पित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र की प्रति का सत्यापन कराने के क्रम में परीक्षा नियंत्रक, बिहार, सरकार, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया। सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि हेतु संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1311 दिनांक-22.09.2015 द्वारा किये गये अनुरोध के आलोक में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, श्रम संसाधन विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना, बिहार के लेटर हैड से निर्गत पत्रांक-165 दिनांक 15.02.2016 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 द्वारा श्री सिंह का प्रमाण पत्र सही होने की सूचना दी गई, जिसके आधार पर कार्यालय आदेश सं०-59 दि०-16.05.2016 द्वारा वेतनादि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी।

इसी क्रम में उपर्युक्त पत्र द्वारा प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन की समीक्षा में पाया गया कि परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 एवं पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 में भिन्नता के साथ ही कुछ कर्मियों के आई०टी०आई० प्रमाण-पत्र की संख्या समान पायी गयी। ऐसी स्थिति में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा प्रेषित उक्त दोनों पत्रों को संलग्न करते हुए संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1224 दिनांक-28.09.2016 द्वारा स्थिति स्पष्ट करने हेतु परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया।

तदालोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-697 दि०-24.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि 'पत्रांक-272 दिनांक-21.03.2016 इस कार्यालय द्वारा निर्गत नहीं किया गया है। अर्थात् यह पत्र जाली है।' साथ ही पत्रांक-2069 दिनांक-16.09.2015 द्वारा प्रेषित सत्यापन प्रतिवेदन की सम्पुष्टि की गई। इसके अतिरिक्त अन्य कर्मियों सहित श्री बलवन्त सिंह के संबंध में यह अभ्युक्ति अंकित की गई कि उनका आई०टी०आई० प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र जाली है एवं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से निर्गत नहीं है।

इस प्रकार सम्पुष्टि प्रतिवेदनों में परस्पर भिन्नता पाये जाने से उत्पन्न विरोधाभास के फलस्वरूप संचरण जोन, पटना के पत्रांक-1096 दि० 03.11.2018 द्वारा पुनः परीक्षा नियंत्रक, औद्योगिक व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान, आई०टी०आई० बीघा, पटना/सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना से मामले की पुनर्जांच कर अभिलेख का गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त आलोक में सहायक निदेशक (परीक्षा), परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, पटना के पत्रांक-1334 दिनांक-10.12.2018 के द्वारा समर्पित गोपनीय सत्यापन प्रतिवेदन में क्रम संख्या-30 पर अंकित श्री सिंह के आई०टी०आई० प्रमाण पत्र/अंक पत्र के संबंध में अभ्युक्ति "निर्गत नहीं" प्रतिवेदित किया गया, साथ ही यह भी सूचित किया गया कि निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, पटना के नाम से निर्गत पत्रांक-165 दिनांक-15.02.2016 फर्जी है तथा किसी न किसी स्तर पर जालसाजी की जा रही है।

संचरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 के द्वारा सहायक परिचालक के पद पर किये गये अनुबंध नियोजन की कंडिका-06 में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, Date of Birth, Caste with creamy layer is found incorrect or if any discrepancy is found in the genuineness of certificate in part or in full at any time during the period of their engagement, they will be disengaged and further legal action will be taken".

B.M.K.

[Signature]

P.T.O

इसके अतिरिक्त, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 द्वारा निर्गत नियमितकरण आदेश की कण्डिका-(VIII) में विनिर्दिष्ट है कि- "If any information given by them with regard to their qualification, date of birth, caste & creamy layer certificate, domicile certificate etc. is found incorrect or if any discrepancy is found in part or full, at any time during the period of their employment, their services will be terminated with retrospective effect and legal action will be initiated as well as the pay and allowances received by them on this account, will be recovered."

इस प्रकार श्री सिंह के शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र एवं अंक-पत्र के फर्जी पाये जाने एवं इनके द्वारा की गई जालसाजी से संबंधित मामले में समीक्षोपरान्त एवं नियोजन के शर्तों के अधीन संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-34 दिनांक-21.02.2019 द्वारा श्री सिंह का सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से रद्द किया गया एवं साथ ही सहायक परिचालक कोटि-11 के पद पर दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से किये गये नियमितकरण को रद्द करते हुए सेवा समाप्त किया गया।

सेवा समाप्त किये जाने संबंधी निर्गत आदेश के विरुद्ध श्री सिंह एवं समान मामले में सेवा समाप्त किये गये अन्य 18 तकनीकी कर्मियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC NO-1421/2019 [राज कमल एवं अन्य बनाम बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि0, पटना एवं अन्य] दायर किया गया। उक्त याचिका में माननीय न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश दिनांक-16.05.2019 द्वारा याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति का आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर उनका पक्ष प्राप्त करने और उसके बाद नियमसम्मत आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि इस बीच याचिकाकर्ताओं के लिये उनकी बहाली मान्य नहीं होगी।

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संघरण जोन, पटना के का0आ0सं0-87 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह सहित सभी 19 सेवामुक्त तकनीकी कर्मियों (याचिकाकर्ताओं) का नियोजन रद्द करने हेतु निर्गत कार्यालय आदेशों का निरस्त किया गया एवं उनकी बहाली मान्य नहीं की गई। न्याय निर्णय के आलोक में संघरण जोन, पटना के नोटिस पत्रांक-1065 दिनांक-07.08.2019 द्वारा श्री सिंह को दिनांक-28.08.2019 को उनके शैक्षणिक योग्यता यथा-आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र फर्जी/जाली पाये जाने के मामले में उनका लिखित जवाब समर्पित करने हेतु नोटिस पत्र उनके आवासीय पता पर निबंधित डाक से भेजा गया एवं साथ ही इसे संघरण कंपनी मुख्यालय के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। साथ ही निर्गत नोटिस के आलोक में प्राप्त लिखित जवाब की सम्यक समीक्षा करते हुए तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित करने संघरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-91 दिनांक 17.08.2019 द्वारा महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, संघरण जोन, पटना की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एक समिति गठित की गई।

संघरण जोन पटना द्वारा निर्गत नोटिस के आलोक में श्री सिंह ने अपने आवेदन दिनांक-28.08.2019 द्वारा गृह जिला में बाढ़ रहने तथा दूसरे अन्य कारणों से अपना पक्ष एवं प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करने हेतु एक माह का समय माँगा गया। श्री सिंह के आवेदन के आलोक में संघरण जोन, पटना के पत्रांक-1172 दिनांक-11.09.2019 द्वारा अंतिम अवसर देते हुए दिनांक-14.10.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, नियोजन से संबंधित विभागीय आदेश की मूल/सत्यापित प्रति तथा अपना वैध पहचान पत्र के साथ लिखित जवाब समिति के समक्ष समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। तदालोक में दिनांक-14.10.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए एवं पूर्व में उल्लेखित समान कारण का हवाला देते हुए अग्रतर 15 दिनों का समय देने हेतु अनुरोध किया गया। उनके अनुरोध पर समीक्षोपरान्त पत्रांक-1313 दिनांक-14.10.2019 द्वारा दिनांक-07.11.2019 को समिति के समक्ष निश्चित रूप से अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संघरण जोन पटना के उक्त पत्र द्वारा निर्धारित तिथि यथा-दिनांक-07.11.2019 को श्री सिंह समिति के समक्ष उपस्थित हुए परन्तु श्री सिंह द्वारा उनके फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण पत्रों के संबंध में न तो लिखित पक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत किया गया। उक्त परिपेक्ष्य में समिति द्वारा मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री सिंह अपने फर्जी/जाली आई0टी0आई0 प्रमाण-पत्र से भली-भाँति अवगत रहते हुए लिखित जवाब समर्पित नहीं किया गया। तदालोक में समिति द्वारा बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का0आ0संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 की कण्डिका-VIII के आलोक में सेवा से बर्खास्त करने एवं अन्य शर्तानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई।

समिति के प्रतिवेदन एवं मानले में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, पटना के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 द्वारा फर्जी शैक्षणिक योग्यता (आई०टी०आई०) प्रमाण-पत्र समर्पित करने एवं गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के आरोप में नियोजन रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

तदनुसार संवरण जोन, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-78 दिनांक-18.05.2010 एवं बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के का०आ०संख्या-395 दिनांक-15.04.2015 में निहित नियोजन की शर्तों के अधीन श्री बलवन्त सिंह के सहायक परिचालक के पद पर अनुबंध नियोजन को दिनांक-17.05.2010 के प्रभाव से एवं सहायक परिचालक कोटि-II के पद पर नियमितकरण को दिनांक-01.04.2015 के प्रभाव से रद्द करते हुए इनकी सेवा समाप्त की जाती है।

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति श्री बलवन्त सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संवरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज पुत्र श्री रामेश्वर सिंह, ग्राम-वसाडी, पो०-गरुकुल मेहियाँ, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को निबंधित डाक से भेज दी जाए।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि- श्री बलवन्त सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संवरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज पुत्र श्री रामेश्वर सिंह, ग्राम-वसाडी, पो०-गरुकुल मेहियाँ, जिला-सारण, छपरा (बिहार) को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....पटना, दिनांक...../

प्रतिलिपि-विद्युत अधीक्षण अभियंता/लेखा पदाधिकारी, संवरण अंचल, डेहरी-आन-सोन/विद्युत कार्यपालक अभियंता, संवरण प्रमंडल, डेहरी-आन-सोन/सहायक कार्यपालक अभियंता, संवरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2. महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पत्रांक-908 दिनांक-21.05.2020 की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नियोजन प्राप्त करने के दोषी श्री बलवन्त सिंह, तदेन सहायक परिचालक ग्रेड-II, संवरण अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज पुत्र श्री रामेश्वर सिंह, ग्राम-वसाडी, पो०-गरुकुल मेहियाँ, जिला-सारण, छपरा (बिहार) के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई यथा-संबंधित धाना में प्राथमिकी दर्ज करने एवं इसकी सूचना से अद्योहस्तासरी को अवगत कराये।

ह०/-

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

ज्ञापांक.....298.....पटना, दिनांक.....16/6/20...../

प्रतिलिपि- महाप्रबंधक (मा०सं०/प्रशा०)/उप महाप्रबंधक (कार्मिक), बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लि०, पटना/बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि० को सूचनार्थ प्रेषित।

(अरुण कुमार चौधरी)

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता

AKK